

कोंकणी साहित्याचे शिल्पकार : 3

र. वि. पंडित

(जिवीत आनी वावर)

(1917-1990)

डॉ. सु. म. तडकोडकार



गोवा कोंकणी अकादेमी

पणजी - गोंय

प्रकाशन क्र. 72

Publication No. 72

र. वि.पंडित : जिवीत आनी वावर
(जीवनालेख)

R. V. Pandit : Jiveet Aanee
Waar
- Monograph on Konkani poet

लेखक :
डॉ. सु. म. तडकोडकार

written by
Dr. S. M. Tadkodkar

सर्वाधिकार : गोवा कोंकणी अकादेमी, © Goa Konkani Akademi
(2006) (2006)

प्रकाशक :
श्री. गोपाळकृष्ण पाडगांवकार
सचिव,
गोवा कोंकणी अकादेमी,
243, पाटो कॉलनी,
पणजी, गोंय - 403 001

Published by :
Shri. Gopalkrishna Padgaonkar
Secretary,
Goa Konkani Akademi,
243, Patto Colony,
Panaji, Goa. 403 001

मुखचित्र :
प्रा. वासुदेव यशवंत दिवकार

Cover Design:
Prof. Vasudev Yeshwant Diwakar

अक्षरजुळवणी :
ज्योती गांवकार

Typesetting :
Jyoti Gaonkar

मुद्रक :
रूतू ऑफसेट,
वळवय - गोंय

Printed by :
Rutu Offset,
Volvoi - Goa.

पयली आवृत्ती :
2006
(संवत् 2062)

First Edition:
2006
(Samvat : 2062)

032

Price : Rs. 85/-

अनुक्रम

अकादेमीचे वतीन
आरंभाची उतरां

1. चरित्रपट

2. घडण, संस्कार, साधना आनी भूमिका

3. पंडितांली कविता

(क). कोंकणी कविता

अ. मनशाचे वृत्ती-प्रवृत्तीचो सोद

आ. सैम दर्शन

इ. ध्येयवाद आनी स्वदेशभक्ती

ई. प्रेमकविता

उ. अध्यात्मिकताय

ऊ. गोंयचे अस्मितायेच्यो परी

ए. सुभाशितात्मकताय, वाक्प्रचार आनी ओंपारी

(ख). मराठी कविता

(ग). इंग्लिश कविता

4. पंडितांलें गद्य लेखन

(क). कोंकणी

अ. बालसाहित्य

आ. लेख

(ख). मराठी

अ. अणकार

आ. संपादन

5. उपसंहार

परिशिष्ट (अ) : पंडितांचो जीवनपट : एक दृष्टिक्षेप

परिशिष्ट (आ) : कविवर्य रघुनाथ विष्णू पंडित हांची बरपावळ